॥ ॐ ॥ श्री गुरु चरण कमलेभ्यों नमः ॥ 卐 ॥

श्रावण सोमवार की साधनाएँ - 2020

स्थल :- श्री निखिल चेतना केन्द्र, पुलीमामिडी हैदराबाद (तेलंगाणा)

प्रथम सोमवार, दि.27-07-2020 :- पारद शिवलिंग का संक्षिप्त पुजन कर निम्न मंत्र का ग्यारह सौ (1100) जप रुद्राक्ष माला से करे।

मंत्र :- ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

प्रदोष समय मे अर्थात् सायं मे 4:30 - 6:30 के मध्य (लाल कनेर + बिल्वपत्र + कमलगट्टा + घृत की मिश्रण कर) एक हजार (1000) आहुति प्रदान करे। शिव जी की कृपा से मनोकामना पुर्ण होगी।

सामग्रीः- पारद शिवलिंग, रुद्राक्ष माला

दूसरा सोमवार, दि.03-08-2020 :- सिद्ध पारद शिवलिंग की संक्षिप्त पुजन कर, श्रावण के दुसरे सोमवार को निम्न मंत्र से एक हजार आठ (1008) गुलाब के पुष्प, मध्याह्न समय मे आक के पत्ते एक सौ आठ (108) और प्रदोष काल मे एक सौ आठ (108) बिल्व पत्र चढाने पर कुबेर समान धन की प्राप्ती होती है।

मंत्र :-

॥ ॐ नमः शिवाय कुबेरायै धन धान्य समृद्धि मे देहि दापय स्वाहा ॥

अगर इस तरह ग्यारह (11) दिन पुजन करने से अखण्ड साम्राज्य से कुबेर सिद्धी प्राप्त हो जाती है। साधक धनाढ्य बनता है।

सामग्रीः- सिद्धि पारद शिवलिंग, रुद्राक्ष माला।

तीसरा सोमवार, दि.10-08-2020 :- शिवशक्ति साधना :- साधक प्रातः काल या सायं काल मे उत्तर दिशा की ओर मुख कर, पीला वस्त्र पहन कर, पीले आसन पर विराजमान हो। अगर हो तो शिवशक्ति यंत्र को सामने एक पात्र मे रखकर उस पर पारद शिवलिंग स्थापित करे। संक्षिप्त पुजन करे। यंत्र एवं शिवलिंग के चारो ओर चार घी के दीपक लगाये। जो साधना समाप्ती तक जलते रहे। साथ ही गुरु चित्र स्थापित कर उसका भी संक्षिप्त पुजन कर, पाँच (5) माला गुरु मंत्र की करे। उसके बाद निम्न मंत्र की इक्कावन (51) माला शिवशक्ति माला से जप करे। (रुद्राक्ष + स्फटिक) साधक को दिव्य शक्ति का अनुभव होगा। पुजन समाप्त होने तक घर पर एक दिव्य व्यक्ति का आगमन होगा। उसे सम्मान के साथ फल देकर आशीर्वाद प्राप्त करे। यह साधना इन्द्र कृत है।

मंत्र :-

॥ ॐ शं खं खं अदृश्य ब्रह्माण्ड सिद्धी ई सौः औ ॐ ॥

साधक को इस साधना से हर कार्य मे सफलता मिलती है।

सामग्रीः- शिवशक्ति यंत्र, पारद शिवलिंग, शिवशक्ति माला।

चौथा सोमवार, दि.17-08-2020 :- सोमवार को प्रातः काल मे पारद शिवलिंग या स्फटिक शिवलिंग का संक्षिप्त पुजन कर, रुद्राक्ष माला से निम्न मंत्र का सौ (100) माला जप पाँच दिन या तीन दिन या एक दिन मे करे। शिवलिंग सिद्ध होगा। इस शिवलिंग को सोते समय अपने सिरहाने रख कर सोने से उसी रात्री मे आपके जीवन की समस्याओं का समाधान मिलेगा। धन आगमन का मार्गदर्शन मिलेगा।

मंत्र :-

।। ॐ नमो भगवते रुद्राय कल्पलेपांजनं दर्शय दर्शय स्वाहा ।।

सामग्रीः- स्फटिक शिवलिंग, रुद्राक्ष माला।

सोमवती अमावस्या साधना :- (सोमवार को आनेवाली अमावस्या को सोमवती अमावस्या कहते है।) इस दिन शत्रु शमन प्रयोग करना लाभ दायक होता है। साधक जिस किसी कारण से भी चिंतित रहता हो वही कारण उसकी शत्रुता कहलाती है। उसको मिटाने के लिए, सफेद वस्त्र धारणकर, दक्षिण दिशा की ओर मुखकर, लाल वस्त्र पर चिंता का विषय या शत्रु का नाम लिखे। उस पर शत्रु दमन यंत्र रखे। उस पर विजय गुटिका के साथ पारद शिवलिंग की स्थापना करे। संक्षिप्त पुजन करे। निम्न मंत्र का केवल पाँच (5) माला जप करे।

मंत्र :-

।। ॐ क्लीं शत्रु दमनाय फट् ।।

जप के बाद शिवलिंग घर के पुजा स्थान मे रखे। बाकी सामग्री निर्जन स्थान या जंगल मे डाल दे। साधक की चिंता दूर होगी।

सामग्रीः- शत्रु दमन यंत्र, विजय गुटिका, पारद शिवलिंग, रुद्राक्ष माला।

भवदिय
उदयदत्त जोशी
श्री निखिल चेतना केन्द्र
4-8-438, राम मंदिर के पिछे,
गौलिगुडा, हैदराबाद - 500 012 (तेलंगाणा)
फोनः- 040-24732434, मोः- 9440782655, 9849069834
email-udaydattjoshi@gmail.com www.omnikhilam.com